Hirch an Tistual The Gazette of India

ग्रमाधारण

EXTRAORDINARY

भाग **∏**--खण्ड 3--उपल्र**ण्ड** (i)

PART II—Section 3—Sub-section (f)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

#io 149j

नर्दे विरुली, शुक्रधार, जून 14, 1974/उपेष्ठ : 4, 1896

No. 149)

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 14, 1974/JYAISTHA 24, 1896

इस भाग में भिष्म पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th June 1974

G.S.R. 270(E) IDRA/30/1/74/8.—Whereas a draft of certain rules further to amend the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, was published as required by sub-section (1) of section 30 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951). at pages 229-231 of the Gazette of India, Extraordinary Part II Section 3, sub-section (i), dated the 8th February, 1974, under the notification of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, No. G.S.R. 33(E)/IDRA/30/1/74/2, dated the 8th February, 1974, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby before the 11th March, 1974;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 14th February, 1974;

And whereas no objections and suggestions have been received by the Central Government.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 30 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, namely:—

- 1. These rules may be called the Registration and Licensing of Industrial Undertakings (First Amendment) Rules, 1974.
- 2. In the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952 (hereinafter referred to as the said rules) for the words "Ministry of Industry and

Supply", wherever they occur, the words "Ministry of Industrial Development shall be substituted.

- 3. For rules 10 and 11 of the said rules, the following rules shall be substituted namely:—
 - "10. Application to be referred to Committee. --
 - (1) The Ministry of Industrial Development shall refer the application to a Committee appointed under sub-rule (2).
 - (2) The Ministry of Industrial Development may, by notification in the Official Gazette, appoint one or more Committees consisting of such number of members as it may think fit to represent—
 - (a) the Ministries of the Central Government dealing with
 - (i) the industries specified in the First Schedule to the Act
 - (il) Finance;
 - (iii) Company Affairs; and
 - (iv) Science and Technology, and
 - (b) the Planning Commission.
 - (3) A Committee appointed under sub-rule (2) may co-opt one or more representatives of other Ministries of the Central Government or of any State Government concerned, wherever it is necessary.
 - 11. Submission of report by the Committee.—After such investigation as may be necessary, the Committee to which an application has been referred under rule 10 shall submit a report to the Ministry of Industrial Development".
- 4. In rule 12 of the said rules, for the words "the Livensing Committee", the words "the committee" shall be substituted.
- 5. In rule 13 of the said rules for the words "the Licensing Committee", the words and figures "the Committee referred to in rule 11", shall be substituted.

[No. 14(1)L.P. 73]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

ग्रीग्रोशिक दिकास मंत्रालय

ग्रभिमुचना

नई दिल्ली, 14 अनुन, 1974

सार कार ति 270(म्) माई शिल्मार एए 30/1/74/8.—यतः भौधोगिक उपकर्मों का रिजिस्ट्रीकरण और मनुजापन नियम, 1952 में भीर संशोधन करने के लिए कितपय नियमों का प्रारुष, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित, भारत सरकार के शौधोगिक विकास मलालय की अधिसूचना मं सार कार नि 33(म्) श्रीई श्री स्नार ए/30/1/74/2, तारीख 8 फरवरी, 1974 के श्रीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 8 फरवरी, 1974 के पृष्ठ 230-231 पर प्रकाणित किया गया था, जिसमें उन सभी अयिकतयों से, जिका उस द्वारा प्रभावित होना सम्भाव्य है, 11 मार्च, 1974 के पृष्ठ स्नाभेष वा मुझाव मांगे गए थे;

ग्रीर यत: उक्त राजपन्न 14 फरवरी: 1974 को जनता को उपलभ्य-करा दिया गया था:

ग्रीर यत: केरदीय सरकार द्वारा कोई ग्राक्षेत्र ग्रीर सुझाय प्राप्त नही हुए हैं।

- अतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीद्योगिक उप-कर्मों का रजिस्ट्रीकरण श्रीर श्रनुजापन नियम, 1952 में श्रीप मंगोधन करने के लिए, निम्न-किंखित नियम बनाती है, श्रथीत्:—
- 1. इन निययों का नाम श्रीश्रोगिक उपक्रमों का रिजस्ट्रीकरण श्रीर श्रनुकापन (प्रथम संभोधन) नियम, 1974 है।
- 2. श्रीधोगिक उपक्रमों का रिजस्ट्रीकरण श्रीर श्रनुज्ञापन, नियम, 1952 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, "उद्योग श्रीर पूर्ति मंत्रालय" शब्दों के स्थान पर, जहां कहीं भी वे श्राये हों, "श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय" शब्द रखे जाएंगे।
- 3. उक्त नियमों के नियम 10 श्रीर 11 के स्थान पर निम्निविश्वत नियम रखे जाएंगे श्रथीत्:---
 - ''10 अविदन का समिति को निर्देशित किया जाना:----
 - (1) श्रीशोगिक विकास संज्ञालय श्राबेदन को उपनियम (2) के श्रधीन नियुक्त की गई समिति को निर्देशित करेगा।
 - (2) श्रौद्योगिक विकास मंत्रालय राजपत्र में श्रीधसूचना द्वारा एक या श्रीधक सिमितियां नियुक्त कर सकेगा जिनमें सदस्यों की उतनी संख्या होगी जितनी वह निम्नलिखिन का प्रतिनिधिस्य करने के लिए ठीक समझे,——
 - (क) निम्नलिखित से संबंधित केन्द्रीय सरकार के मंत्रालय--
 - (i) अधिनियम की प्रथम अनुसूची में विनिधिष्ट उद्योग;
 - (ii) वित्त ; `
 - (iii) कम्पनी कार्य; ग्रौर
 - (iv) विज्ञान और प्रौद्योगिकी ; तथा
 - (ख) योजना आयोग
 - (3) उपनियम (2) के अधीन नियुक्त की गई समिति, जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, केन्द्रीय सरकार के अन्य मंत्रालयों के या किसी सम्बद्ध राज्य सरकार के एक या अधिक प्रतिनिधियों को सहयोजित कर सकेंगी।
 - 11. सिमिति द्वारा रिपोर्ट का प्रस्तुत किया जाता:—ऐसे अन्वेषण के पश्चात्, जो श्रावश्यक हो, वह सिमिति जिसको नियस 10 के सधीन श्रावेदन निर्देशित किया गया है, श्रीद्योगिक विकास संवालय को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी।"

- 4. उन्त नियमों के नियम 12 में, "श्रनुज्ञापन समिति" शश्दों के स्थान पर "सिनिति" शब्द रखा जाएगा।
- 5. उक्त नियमों के नियम 13 में, "श्रनुज्ञापन समिति" शब्दों के स्थान पर "नियम 11 में निद्दाशित की गई समिति" शब्द श्रीर श्रंक रखे आएंगे।

[सं० 14(1)/ला० पो०/73] सुरेश कुमार सहगल, संयुक्त सचित्र ।